



**बैड बैंक क्या होता है
(What is Bad Bank
in Hindi?)**



भारत का पहला “ बैड बैंक ”

क्या होता है, बैड बैंक?



क्या है बैड बैंक?

बैड बैंक की अवधारणा को बैंकों की वाणिज्यिक अचल संपत्ति पोर्टफोलियो (Commercial Real-Estate Portfolio) की समस्या का निदान करने के उद्देश्य से सर्वप्रथम वर्ष 1988 में मेल्लोन बैंक (Mellon Bank) के पिट्सबर्ग (Pittsburgh) मुख्यालय में प्रस्तुत किया गया था।

भारतीय बैंक संघ की अनुशंसाएँ

1:-भारतीय बैंक संघ' (IBA) जो कि एक दबाव समूह है, ने 'प्रोजेक्ट सशक्त' की सिफारिशों को आधार बनाकर तीन संस्थाओं की स्थापना की सिफारिश की गई है

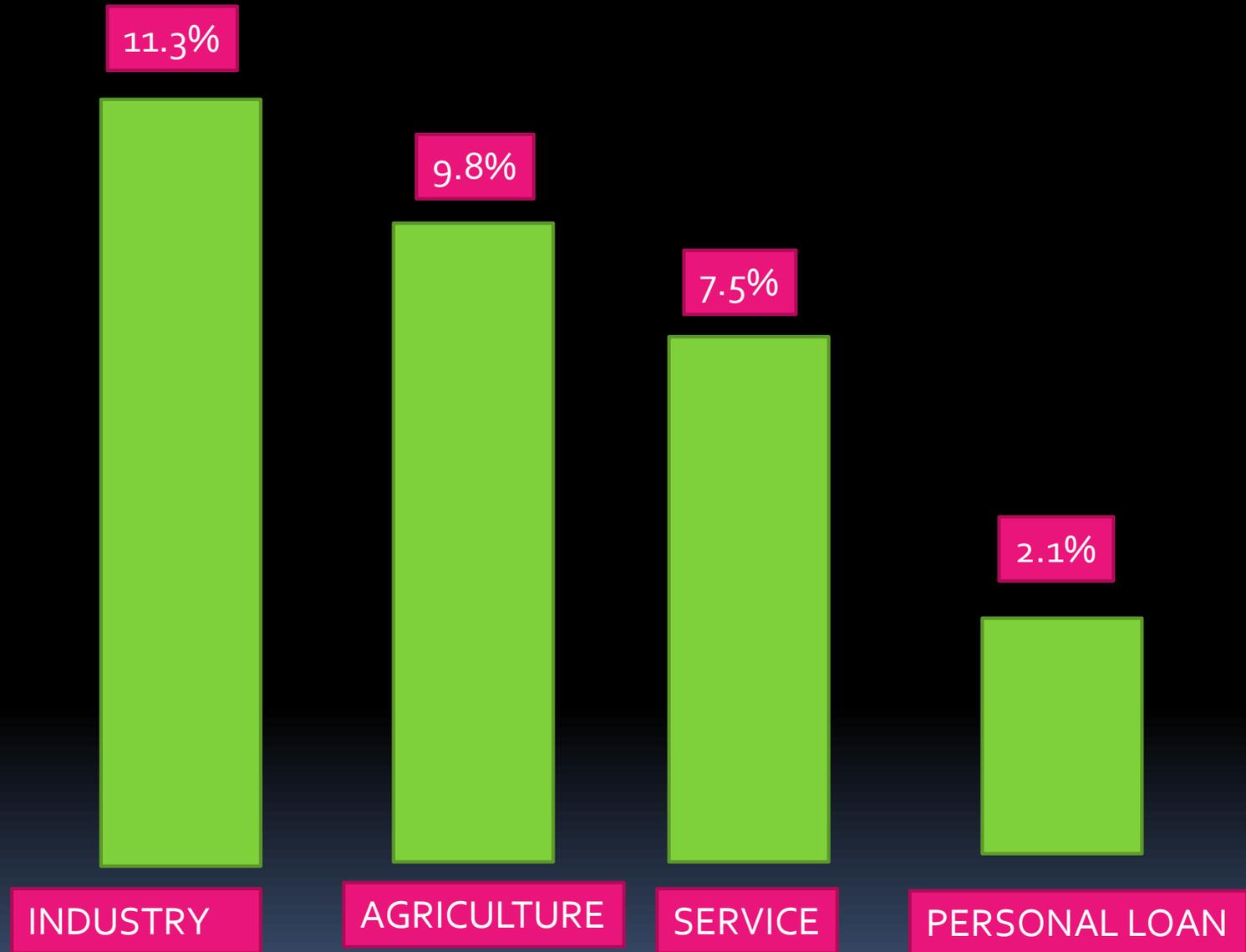
A:--परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी' (Asset Reconstruction Company- ARC): ARC एक विशेष वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों की बैलेंस शीट को स्वच्छ और संतुलित रखने में उनकी सहायता करने के लिये उनसे गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों या खराब ऋण खरीदती है। दूसरे शब्दों में ARC बैंकों से खराब ऋण खरीदने के कारोबार में कार्यरत वित्तीय संस्थान हैं।

B:-परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी (Asset Management Company- AMC): AMC परिसंपत्तियों का प्रबंधन, जिसमें प्रबंधन का अधिग्रहण या परिसंपत्तियों के पुनर्गठन जैसे कार्य करेगी। 500 करोड़ रुपए से अधिक के फँसे ऋण के लिये AMC की स्थापना की जाएगी। AMC बैंकों द्वारा NPA घोषित किये हुए ऋण को खरीदेगा जिससे इस कर्ज का भार बैंकों पर नहीं पड़ेगा। यह कंपनी पूरी तरह से स्वतंत्र होगी। इसमें सरकार का कोई दखल नहीं होगा। AMC सरकारी एवं निजी दोनों क्षेत्रों के निवेशकों से धन जुटाएगी।

C:-वैकल्पिक निवेश कोष (Alternative Investment Fund- AIF): परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी' (AMC) को AIF के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा। IBA ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से बैंड लोन की प्राप्ति के लिये एक स्वतंत्र ARC के गठन की सिफारिश की है।

Following through with one of her key announcements in the Budget, Finance Minister Nirmala Sitharaman has announced the formation of India's first-ever "Bad Bank". She said the "National Asset Reconstruction Company Limited" (NARCL) has already been incorporated under the Companies Act. It will acquire stressed assets worth about Rs 2 lakh crore from various commercial banks in different phases. Another entity — India Debt Resolution Company Ltd (IDRCL), which has also been set up — will then try to sell the stressed assets in the market. The NARCL-IDRCL structure is the new bad bank. To make it work, the government has okayed the use of Rs 30,600 crore to be used as a guarantee.

HOW MUCH NPAs EXIST IN EACH SECTORS



EXISTING LEVEL OF NPAs IN BAKS



Non-Performing Assets

N P A

Non-Performing Assets

NON PERFORMING ASSETS NPA

- (iii) The bill remains overdue for a period of more than 90 days in the case of bills purchased and discounted,
- (iv) Any amount to be received remains overdue for a period of more than 90 days in respect of other accounts.



**“Demand
creates its own
Supply”
-Keynes**

